International Journal of Arts & Education Research

वैश्विक आतंकवाद और मीडिया की भूमिका

डॉ सद्गुरू पुष्पम्[*1]

[1]प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान, एम.एम.कॉलेज, मोदीनगर, गाजियाबाद।

वर्तमान भूमण्डलीकरण के युग में आंतकवाद एक भयावह सच्चाई के रूप में पूरे विश्व को प्रभावित किया है इसका कोई मजहब नही है लेकिन मजहबों का सहारा लेकर हिंसा के माध्यम से आम और खास जनजीवन को दहशत में रखा हैं। आंतकवादी प्रवृत्ति के विकास में अनेक कारणों का समन्वय है इसमें सांसेंतिक धार्मिक, आर्थिक, साम्राज्यवादी कारण भी सम्मिलित है तथा निरन्तर असन्तुलित विकास, असमानता, अशिक्षा, कम समय में अधिक पाने की लालसा, असन्तोष जैसी प्रवृत्ति भी युवा पीढ़ी का दिग्भ्रामित कर आंतकवादी गतिविधियों हेतु प्रशिक्षित कर उन्हें आंतकवादी बनाते हैं तथा विश्व पटल में अशान्ति फैलातें हैं। आंतकवाद के दो प्रमुख मूल बिन्दु हिंसा तथा कट्टरतावाद हैं। आंतकवाद पूरे दुनिया के समक्ष एक विकट समस्या हैं। आंतकवाद के वर्तमान स्वरूप को अमेरिका की (1979-89) अफगान नीति का परिणाम माना जाता है। अमेरिका ने सोवियत प्रभाव को कम करने हेतु अफगानिस्तान में मुजाहिद्दीनों को प्रशिक्षित करने के लिये अथाह धन पाकिस्तान को उपलब्ध कराया अफगान युद्ध की समाप्ति के पश्चात् आंतक की फसल लहलहाने लगी। मानवीय मूल्यों का हनन दृष्टिगत होता है।